

संख्या: २५२३/न०वि०/ज्ञ०-२००१-५३०८८०८०/ज्ञ०

①

१३०४३७ /पी०६०/ठ०८०
१२.०५.०१

प्रेस्ट,

For M.Y. VPS CHAUDHARY
2103

पी०सी० पार्सी,
सचिव
उत्तरांचल शासन।
TAXATION OFFICER
NAGAR NIGAM
DEMOCRACY

सेवा में,

१-उपाध्यक्ष/सचिव
समस्त विकास प्राधिकरण, उत्तरांचल।

२-प्रशासक
नगर निगम वेहराडून।

३-समस्त, जिलाधिकारी,
उत्तरांचल।

४-समस्त अधिकारी अधिकारी,
नगर पालिका परिषद/न०४८८०४८०
उत्तरांचल।

नगर विकास/जावास अनुभाग

वेहराडून: दिनांक: १० अक्टूबर, २००१

किया :- देखा की सुरक्षा में लगे सैन्य कर्मियों की विधियाँ जौँ के स्वामित्व के जावासीय भवनों जादि को छोड़ सुकृत करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विधिक प्रकरण पर समयक विवारोपरान्त शासन द्वारा लिये गये निर्णय के अनुसार मुझे यह छहने का निवेश हुआ है कि मूलपूर्व सैनिकों के कान्त्यार्थ उत्तर प्रदेश शासन द्वारा दी बा रही शुभिपार्श जो कि उत्तरांचल में भी पूर्व से ही लागू है, को शासन के अग्रिम जावेशों तक प्रेन्पन पुरस्कार इव अनुवान। उत्तरांचल में भी यथावत रखा जाए।

२- मूलपूर्व सैनिकों/विधवाओं को जावासीय शुभिपार्श उपलब्ध कराये जाने के सम्बन्ध में उ०४० शासन द्वारा जारी कायलिय इमाप संख्या- १३०८/न०-९९-१९९ दिनांक १३ मई, १९९९ में निहित प्राविधिकानों के अनुसार कार्यवाही सुनिश्चित कराने का कष्ट करें।

(सेवा में)
१६८

भवदीय,

संख्या: २५२३/न०वि०/ज्ञ०-२००१-त्रिवेदीवार्षि। पी०सी० पार्सी०
सचिव।

प्रतिलिपि सचिव, समाज कल्याण उत्तरांचल शासन को उनके पत्र संख्या २३८/सैनिक कान्त्यार्थ/२००१ दिनांक १० सितम्बर, २००१ के अनुक्रम में सूचनार्थ

प्रेषिया :

जावा से

पी०सी० पार्सी०

सचिव।